

24 आज फ्रावली पेशदुर्घ वहीत धापी
अनुषस्थित। वही स्वमै पापी भी अनुपाति
है। आज रज छरण दे ही कचित
मूत वदि आम हा जरी। आम
पै रवी मे 2 वरी ज। जिना गामा है

आतः आज फ्रावली न आगे पुनवा
का कोई आ चित्त नही रहे



गामा हॉट पशावली इतम हाजरी
आदम पे रखी मे खारीज की जाती है
के लह सुभार होकर नगवर से डम वी वह
तकमीन संलग्न मूल वाद रही मरे
बेरा लिखवामा जाकर सुले न्यमाहम
मे सुरामा गामा

उपस्वण्ड अधिकारी
मुण्डावर (सैरथल-तिजारा)